महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गांधी शहादत दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

गांधी हमारे लिए प्रतीक थे – डॉ. पी. के. चेटर्जी

30 जनवरी, 2015 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा गांधी की शहादत दिवस पर श्रध्दांजलि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग के पूर्व सदस्य डॉ. पी. के. चटर्जी ने कहा कि गांधी एक प्रतीक थे चाहे वह हिम्मत की बात हो, राजनीति, चरित्र, पवित्रता, नेतृत्व या फिर नवाचार की। गांधी किसी सिध्दांत के वशीभूत नहीं थे, वह समयानुकूल निर्णय लेकर परिस्थितियों को अपने अनुकूल कर लेते थे। गांधी की प्रासंगिकता वैश्विकरण के साथ और भी ज्यादा बढ़ गयी है। महान कवि, लेखक, पत्रकार व राष्ट्रभक्त रामवृक्ष बेनीपूरी ने कहा था– झोपड़ी या महल, अमीर–गरीब, गली से राजपथ तक असहयोग आंदोलन का प्रभाव गांधी के कारण ही था। गांधी ने बिना किसी हरवे–हथियार के अंग्रेजी हुकूमत को वापस जाने पर मजबूर कर दिया और भारत को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करा दिया। गांधी जी चाहते थे कि समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास हो और स्त्री–पुरुष के साथ–साथ सभी वर्ग समानता के साथ जीवनयापन कर सकें।

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने कहा कि गांधी इस सहस्त्र के सर्वश्रेष्ठ मानव थे, वे निजी विचारों का प्रचार करने की अपेक्षा आचरण पर ध्यान देते थे। गांधी सशरीर भले ही हमारे बीच विद्यमान न हो लेकिन उनके कथन और कार्य हमेशा हमें प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में 2 मिनट का मौन रखकर गांधी जी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थीयों ने श्रध्दांजलि दी।

कार्यक्रम में संदीप सपकाले, पंकज सिंह, पद्माकर बाविस्कर, ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने व धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर अनिर्वाण घोष ने किया। कार्यक्रम में डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली, शिव गोपाल, अनुपमा, नेहा नेमा, मनोज सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी विद्यापीठात गांधी पुण्यतिथि

गांधी आमचे प्रतीक होते – डॉ. पी. के. चेटर्जी

30 जानेवारी 2015: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आमच्याकरिता एक प्रतीक होते. ते परिस्थितीनुसार निर्णय घेवून परिस्थितीला आपल्या अनुकूल करीत होते. असे प्रतिपादन पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षण विभागाचे माजी सदस्य डॉ. पी. के. चॅटर्जी यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात अहिंसा आणि शांती अध्ययन विभागाच्या वतीने गांधी पुण्यतिथि निमित्त आयोजित कार्यक्रमात बोलत होते. ते म्हणाले की गांधींची प्रासंगिकता जागतिकीकरणात अधिकच वाढलेली आहे. समाजातील अंतिम व्यक्तीच्या विकासासाठी

गांधीजींनी कार्य केले असे सांगून ते म्हणाले की स्त्री–पुरुष समानतेसाठी त्यांनी अव्याहत काम केले.

अहिंसा आणि शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष नृपेन्द्र प्रसाद मोदी म्हणाले गांधी जी सहस्राब्दीचे सर्वश्रेष्ठ मानव होते. आपल्या आचरणातून ते संदेश देत असत. यावेळी दोन मिनीटांचे मौन राखून गांधीजींना श्रद्धांजली देण्यात आली.

सहायक प्राध्यापक संदीप सपकाळे, पंकज सिंह, पद्माकर बाविस्कर यांनीही आपले विचार मांडले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी यांनी केले तर आभार सहायक प्रोफेसर अनिर्वाण घोष यांनी मानले. यावेळी विभागाचे सहायक प्राध्यापक डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली, शिव गोपाल, अनुपमा, नेहा नेमा, मनोज यांच्यासह अध्यापक आणि विद्यार्थी उपस्थित होते.